COPYRIGHT RESERVED

FYUESE – Lang & Comm-MIL-HN-CC-1
(B.Sc. & B.Com)

2022-26

Full Marks :100

Time : 3 Hours

Candidates are required to give their answer in their own words as far as practicable. Their figures in the margin indicate full marks.

परीक्षार्थी यथासम्भव अपने शब्दों में ही उत्तर दें। उपांत के अंक पूर्णांक के द्योतक हैं।

निर्देशानुसार **दोनों** खण्डों से उत्तर दें।

खण्ड – अ

1. निम्नलिखित वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दें : 1×10=10

(क) 'कुरुक्षेत्र' में कितने सर्ग हैं ?

(ख) 'कुरुक्षेत्र' का प्रकाशन कब हुआ था ?

(ग) रामधारी सिंह 'दिनकर' को ज्ञानपीठ पुरस्कार कब मिला था ?

(घ) रामधारी सिंह 'दिनकर' को किस काव्य रचना के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार मिला था।

(ङ) 'कुरुक्षेत्र' कौन-सा काव्य है ?

(च) 'कुरुक्षेत्र' में उद्धृत 'वलक्ष' शब्द का क्या अर्थ है ?

(छ) कारक के कितने भेद होते हैं ?

(ज) अव्ययीभाव समाज का कौन-सा पद प्रधान होता है ?

(झ) समास के कितने भेद होते हैं ?

(ञ) द्विगु समास का पूर्ण पद क्या होता है ?

निम्नलिखित लघु उत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दें -

2. सम्प्रेषण की अवधारणा एवं महत्त्व पर प्रकाश डालें। 5×1=5

3. शीर्षक सहित संक्षेपण लिखें : 5×1=5

मनुष्य-रूपी तलवार की धार चरित्र है। अगर इस धार में तीक्ष्णता है, तो वह तलवार-भले ही लोहे की हो-अपने काम में अधिक कारगर सिद्ध होती है। इसके विपरीत यदि इस तलवार की धार मोटी है, भद्दी है, तो वह तलवार-सोने की ही क्यों न हो-हमारे किसी काम की नहीं हो सकती। इसी प्रकार यदि किसी का चरित्र ही नष्ट हो गया हो तो वह मनुष्य मुर्दे से भी बदतर है, क्योंकि मुर्दा तो किसी और मनुष्य का बुरा नहीं कर सकता, पर एक चरित्रभ्रष्ट मनुष्य अपने साथ रहने वालों को भी अपने ही रास्ते पर ले जाकर अवनति एवं सत्यानाश के भयावने गढ़े में ढकेल सकता है।

खण्ड – ब

4. निम्नलिखित में से किन्ही **चार** प्रश्नों के उत्तर दें : 20×4=80

(क) 'कुरुक्षेत्र' न तो दर्शन है और न किसी ज्ञानी के प्रौढ़ मस्तिष्क का चमत्कार। यह तो अन्ततः एक साधारण मनुष्य का शंकाकुल हृदय ही है, जो मस्तिष्क के स्तर पर चढ़कर बोल रहा है। तर्क संगत उत्तर दें।

(ख) 'कुरुक्षेत्र' का मुख्य प्रतिपाद्य क्या है ? सोदाहरण उत्तर दें।

(ग) 'कुरुक्षेत्र' में उद्धृत 'विजय पुरूष के नाम पर कीचड़ नयन का डालता' पंक्तियों के उद्देश्य पर प्रकाश डालें।

(घ) 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर द्रौपदी का चरित्र-चित्रण करें।

अथवा

भीष्म का चरित्र-चित्रण करें।

(ङ) 'लहू-सनी जीत मुझे दीखती अशुद्ध है' पंक्तियों के माध्यम से कवि क्या कहना चाहता है ? विस्तारपूर्वक प्रकाश डालें।

(च) 'कुरुक्षेत्र' के युधिष्ठिर के चरित्र मे गाँधी दर्शन का प्रभाव परिलक्षित होता है। 'कुरुक्षेत्र' के आधार पर प्रमाणित करें।

***